प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स-डेसी का विधिवत् समापन

पंतनगर। 04 जनवरी 2021। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (डेसी) का समापन प्रशिक्षण केन्द्र, कृषक भवन के सभागार में हुआ। यह कोर्स मैनेज-हैदराबाद के सहयोग से आयोजित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कृषि सम्बन्धी विभिन्न तकनीक जैसे फसल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक, संरक्षित खेती, समन्वित उर्वरक प्रबन्धन, कीट एवं रोग नियंत्रण, विभिन्न खरपतवारनाशी व कीटनाशक दवायें, फर्टीलाइजर कन्ट्रोल ऑडर, बीज एक्ट, विभिन्न जैविक उर्वरक व जैविक रसायन, मौसम की जानकारी, उन्नत कृषि यंत्रों का प्रयोग, कृषक से कृषक प्रसार की विधियां एवं साइबर प्रसार इत्यादि पाठ्यक्रम की जानकारी दी गयी।

समापन समारोह में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि इस पाठ्यक्रम के पश्चात कृषकों को उन्नत तकनीक एवं कृषि निवेश उपलब्ध कराने में विक्रेताओं की जिम्मेदारी और अधिक हो गयी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग सदैव रहेगा। मुख्य कृषि अधिकारी एवं परियोजना निदेशक 'आतमा', ऊधमसिंह नगर, डा. अभय सक्सेना ने अपने सम्बोधन में कहा कि पाठ्यक्रम के उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों की तकनीकी दक्षता में निश्चित ही वृद्धि हुई होगी और यह जानकारी कृषक समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करने में सक्षम होगी। कृषि रक्षा अधिकारी, श्रीमती विधि उपाध्याय ने कहा कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत दी गयी तकनीकी जानकारियों को कृषकों के मध्य साक्षा कर उनकी आय को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्राध्यापक, सस्य विज्ञान, डा. बी.डी. सिंह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से डेसीकोर्स का परिचय, उद्देश्य और कोर्स से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि इस कोर्स के पश्चात् समस्त उर्वरक एवं कीटनाशी विक्रेता पैरा एक्सटेंशन प्रोफेशनल के रूप में कृषकों की सेवा करने में और अधिक सक्रिय एवं सहयोगी होंगे। निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल ने भी उर्वरक एवं कीटनाशी विक्रेताओं से कहा कि कृषकों की सेवा में तन, मन, धन से जुड़ें एवं जब भी आवश्यकता होगी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक सदैव आपके सहयोग में तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर प्राध्यापक, डा. आर.के. शर्मा, डा. संजय चौधरी एवं डा. बी.एस. कार्की ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस एक वर्षीय कोर्स के परीक्षा परिणाम के आधार पर श्री जसबीर सिंह, सितारगंज को प्रथम स्थान, श्री नरेश खुराना, लालपुर को द्वितीय स्थान एवं श्री शगुन अरोरा, रूद्रपुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में उधमसिंह नगर के ४० उर्वरक एवं कीटनाशी विक्रेता पंजीकृत थे। समापन के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अतिथियों का स्वागत करते अधिकारी।